Sample Question Paper (2024-2025)

Class : 11th

विषय : हिंदी ऐच्छिक (Hindi Elective)

ACADEMIC / OPEN
Code No. 523

समय : 3 घंटे
अधिकतम अंक: 80

कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 मुद्रित पृष्ठ तथा 13 प्रश्न हैं।

प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नं. को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।

कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरु करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना / पन्ने न छोड़ें।

उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अत: आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। अनुक्रमांक के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।

सामान्य निर्देश:

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंऐक उनके सामने दिए गए हैं।

(iii) प्रत्येक खंड और प्रश्न के साथ आवश्यकतानुसार यथोचित 'निर्देश' दिए गए हैं।

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

(iv) प्रश्न के उपभागों को यथा संभव क्रमिक और एक स्थान पर लिखने का प्रयास किया जाए।

(v) शुद्ध, सटीक और तर्कसंगत उत्तरों को उचित अधिमान दिया जाएगा। वर्तनीगत अशुद्धियों तथा विषयांतर की स्थिति में कम अथवा शून्य अंक देकर दंडित किया जा सकता है।

खंड - क

प्रश्न- 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 1x5=5

दु:ख के वर्ग में जो स्थान भय का है, वही स्थान आनन्द-वर्ग में उत्साह का है। भय में हम प्रस्तुत कठिन स्थिति के नियम से विशेष रूप में दुखी और कभी-कभी उस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए प्रयत्नवान् भी होते हैं। उत्साह में हम आने वाली कठिन स्थिति के भीतर साहस के अवसर के निश्चय द्वारा प्रस्तुत कर्म-सुख की उमंग से अवश्य प्रयत्नवान् होते हैं। उत्साह में कष्ट या हानि सहने की दृढ़ता के साथ-साथ कर्म में प्रवृत्ति होने के आनन्द का योग रहता है। साहसपूर्ण आनन्द की उमंग का नाम उत्साह है। कर्म-सौन्दर्य के उपासक ही सच्चे उत्साही कहलाते हैं।

कष्ट या हानि के भेद के अनुसार उत्साह के भी भेद हो जाते हैं। साहित्य-मीमांसकों ने इसी दृष्टि से युद्ध-वीर, दान-वीर, दया-वीर इत्यादि भेद किये हैं। इनमें सबसे प्राचीन और प्रधान युद्ध वीरता है, जिसमें आघात, पीड़ा क्या मृत्यु की परवाह नहीं रहती। इस प्रकार की वीरता का प्रयोजन अत्यन्त प्राचीन काल से पड़ता चला आ रहा है, जिसमें साहस और प्रयत्न दोनों चरम उत्कर्ष पर पहुंचते हैं। पर केवल कष्ट या पीड़ा सहन करने के साहस में ही उत्साह का स्वरूप स्फुरित नहीं होता। उसके साथ आनन्द-पूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा का योग चाहिए। बिना बेहोश हुए भारी फोड़ा चिराने को तैयार होना साहस कहा जायेगा, पर उत्साह नहीं। इसी प्रकार चुपचाप, बिना हाथ-पैर हिलाये, घोर प्रहार सहने के लिए तैयार रहना साहस और कठिन से कठिन प्रहार सहकर भी जगह से न हटना धीरता कही जायेगी। ऐसे साहस और धीरता को उत्साह के अन्तर्गत तभी ले सकते हैं, जबकि साहसी या धीर उस काम को आनन्द के साथ करता चला जायेगा जिसके कारण उसे इतने प्रहार सहने पड़ते हैं।

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

(i) . उत्साह उत्पन्न होने पर हम क्या प्रयत्न करने को तत्पर हो जाते हैं ?

(क) आने वाली कठिन स्थिति को सुलझाने का

(ख) साहस दिखाने का

(ग) ईश्वर भक्ति का

(घ) क और ख दोनों

(ii) . उत्साह के भेद किस आधार पर किये जाते हैं?

(क) कष्ट के आधार पर

(ख) हानि के आधार पर

(ग) साहस के आधार पर

(घ) उपरोक्त सभी

(iii) उत्साह के कितने भेद किये जाते हैं?

(क) युद्धवीर और दयावीरर

(ख) दानवीर और धर्मवीर

(ग) क और ख दोनों

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iv) उत्साह का सबसे प्राचीन और प्रधान रूप किसे माना गया है?

(क) युद्ध वीरता

(ख) दान वीरता

(ग) दया वीरता

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

(v) . उत्साह किसे कहा जाता है?

(क) साहसपूर्ण आनन्द की उमंग को

(ख) युद्ध वीरता को

(ग) दान वीरता को

(घ) ख और ग दोनों को

प्रश्न-2 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1x5=5

एक बार मुझे आँकड़ों की उल्टियाँ होने लगीं

गिनते गिनते जब संख्या करोड़ों को पार करने लगी

मैं बेहोश हो गया होश आया तो मैं अस्पताल में था

खून चढ़ाया जा रहा था ऑक्सिजन दी जा रही थी

कि मैं चिल्लाया डाक्टर मुझे बुरी तरह हँसी आ रही

यह हँसाने वाली गैस है शायद प्राण बचाने वाली नहीं

तुम मुझे हँसने पर मजबूर नहीं कर सकते

इस देश में हर एक को अफ़सोस के साथ जीने का पैदाइशी हक़ है

वरना कोई मायने नहीं रखते हमारी आज़ादी और प्रजातंत्र

डाक्टर ने समझाया- आँकड़ों का वायरस बुरी तरह फैल रहा आजकल

सीधे दिमाग़ पर असर करता भाग्यवान हैं आप कि बच गए

कुछ भी हो सकता था आपको सन्निपात कि आप बोलते ही चले जाते

या पक्षाघात कि हमेशा के लिए बन्द हो जाता आपका बोलना

मस्तिष्क की कोई भी नस फट सकती थी इतनी बड़ी संख्या के दबाव से

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

हम सब एक नाजुक दौर से गुज़र रहे

तादाद के मामले में उत्तेजना घातक हो सकती है आँकड़ों पर कई दवा काम नहीं करती शांति से काम लें अगर बच गए आप तो करोड़ों में एक होंगे....

और मैं आँकड़ों का काटा चीख़ता चला जा रहा था कि हम आँकड़े नहीं आदमी हैं।

(i) डॉक्टर के अनुसार आँकड़े क्या कर सकते हैं?

(क) बहुत अधिक चिंताग्रस्त कर सकते हैं।

(ख) बहुत अधिक उत्तेजित कर सकते हैं।

(ग) आंकड़ों की तादादनुसार इंसान का मूल्य घट-बढ़ सकता है।

(घ) चित्त भ्रांत कर अंट- संट बकने पर मजबूर कर सकते हैं।

(ii) .कविता का सटीक केंद्रीय भाव किसे कहा जा सकता है?

(क) इंसान का अस्तित्व उसकी सोच व भावनाएं अब एक आंकड़ा मात्र हैं।

(ख) आंकड़े मानवता की बारीकिओं व अन्य सामाजिक पहलुओं का साधन हैं।

(ग) अफ़सोस के साथ जीने का जन्मसिद्ध अधिकार है।

(घ) इंसान के गुण, प्रतिभा व विशेषताएँ आज की स्थिति में गौण हो गये हैं।

(iii) अफ़सोस के साथ जीने का पैदाइशी हक़ संविधान में दिये किस अधिकार के अंतर्गत आता है?

(क) . अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता|

(ख) शोषण के विरुद्ध ।

(ग) संवैधानिक उपचार ।

(घ) संस्कृति व शिक्षा ।

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

(iv) आँकड़ों की उल्टियाँ' - से कवि का क्या तात्पर्य है?

(क) आंकड़े इतने अधिक थे कि दिमाग उन्हें स्वीकार नहीं कर रहा था।

(ख) आंकड़े इतने सटीक थे की लेखक का दिमाग भ्रमित हो गया था।

(ग) आंकड़ों में निहित निष्कर्ष अत्यंत खेद-जनक व उपायहीन थे।

(घ) आंकड़े इतनी तेज़ी से बढ़ रहे थे कि सन्निपात का रोग हो सकता था।

(v) "तादाद के मामले में उत्तेजना घातक हो सकती है"- पंक्ति का सही भावार्थ हो सकता है?

(क) तादाद घातीय प्रकार से वृद्धि कर उत्तेजित कर सकती है।

(ख) तादाद द्वारा जनित उत्तेजना प्राणनाशक हो सकती है।

(ग) समझदार लोग तादाद की घात से प्रभावित नहीं होते हैं।

(घ) उत्तेजना की तादाद मनुष्य के पतन का एक मुख्य कारण हो सकता है।

खंड- ख

प्रश्न 3. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1x5=5

(i) महमूद कौन-सा खिलौना लेता है?

(क) भिश्ती

(ख) सिपाही

(ग) वकील

(घ)धोबिन

(ii) सिद्धेश्वरी की आँखों से आंसू क्यों टपकने लगे ?

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

(क) खुशी के कारण

(ख) पारिवारिक कलह के कारण

(ग) आँख में चोट के कारण

(घ) किसी को भरपेट भोजन न मिलने के दुख के कारण

(iii) लोग टॉर्च बेचने वाले को धक्का मारकर क्यों भगा देते हैं?

(क) उसके हँसने के कारण

(ख) वह कुरूप था

(ग) वह गंदेकाम करता था

(घ) उसका व्यवहार ठीक नहीं था

(iv) 'गूगे' कहानी कहानी की मूलशिक्षा क्या है?

(क) एक विकलांगों के प्रति समाज की संवेदनहीनता व्यक्त करना ।

(ख) चमेली के व्यक्तित्व का बखान करना

(ग) गूंगे के जीवन को दिखाना

(घ) उपरोक्त सभी

(v) महात्मा ज्योतिबा फुले क्या करते थे ?

(क) गायक थे

(ख) लेखक थे

(ग) शिक्षक थे

(घ) दार्शनिक थे

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

प्रश्न 4. (i) हामिद ने ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करते

हुए क्या-क्या तर्क दिए? 2

(ii) गूँगा दया या सहानुभूति नहीं अधिकार चाहता था। सिद्ध कीजिए। 2

(iii) मुंशी जी तथा सिद्देश्वरी की असम्बद्ध बातें कहानी से सम्बद्ध कैसे हैं? (दोपहर का भोजन) 3

(iv) उन लड़कों ने कैसे सिद्ध किया कि जानकी सिर्फ़ माँ नहीं, भारतमाता है? 3

प्रश्न 5. निम्न लिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 1x5=5

ये सब तो समाज धर्म है, जो देश काल के अनुसार शोधे और बदले जा सकते हैं। दूसरी खराबी यह हुई है कि उन्हीं महात्मा बुद्धिमान ऋषियों के वंश के लोगों ने अपने बाप-दादों का मतलब न समझकर बहुत से नये-नये धर्म बनाकर शास्त्रों में धर दिए। बस सभी तिथि व्रत और सभी स्थान तीर्थ हो गए। सो इन बातों को अब एक बेर आँख खोलकर देख और समझ लीजिए कि फलानी बात उन बुद्धिमान ऋषियों ने क्यों बनाई और उनमें देश और काल के जो अनुकूल और उपकारी हों, उनको ग्रहण कीजिए। बहुत सी बातें जो समाज - विरुद्ध मानी हैं, किंतु धर्मशास्त्रों में जिनका विधान है, उनको चलाइए।जैसे जहाज का सफर, विधवा विवाह आदि। लड़कों को छोटेपन में ही ब्याह करके उनका बल, वीर्य, आयुष्य सब मत घटाइए।

(i) गद्यांश के पाठ और लेखक का क्या नाम है?

(ii) सामाजिक धर्म' किसे कहा गया है?

(iii) लेखक किस बात को ग्रहण करने को कहता है?

(iv) गद्यांश में किन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने को कहा गया है?

(v) बुद्धिमान ऋषियों की बातें सही ढंग से न समझने का क्या दुष्परिणाम हुआ ?

खंड - ग

प्रश्न 6. निम्नलिखित बहुविकल्पीय पश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर-पुस्तिका में

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

लिखिए :1×5=5

(i) कबीर किस काव्यधारा के कवि थे ?

(क) राम काव्यधारा

(ख) सगुण काव्यधारा

(ग) सूफी काव्यधारा

(घ) निर्गुण काव्य धारा

(ii) रिश्ते न खुलने की सबसे बड़ी विवशता क्या है?

(क) संवादहीनता

(ख) नफरत

(ग) गरीबी

(घ) मतभेद

(III) श्री कृष्ण खेल में पुनः क्यों शामिल हो गए ?

(क) ग्वालों के भय से

(ख) श्रीदामा के आग्रह के कारण

(ग) वे स्वयं खेलना चाहते थे

(घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) गोपियों में श्री कृष्ण के मिलने की आशा में पंच तत्वों में से कौन-सा तत्व बाकी रह गया है ?

(क) जल

(ख) पृथ्वी

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

(ग) आकाश

(घ) हवा

(V) 'दरबार' कविता में किस पर व्यंग्य किया गया है ?

(क) पतनशील और सामंती व्यवस्था पर

(ख) कृष्ण और गोपियों पर

(ग) गोपी के सपने पर

(घ) अच्छी दरबार व्यवस्था पर

प्रश्न 7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 5

अरे इन दोहन बाह न पाई।

हिंदू अपनी करें बड़ाई गागर छुवन न देई।

बेस्या के पायन-तर सोवै यह देखो हिंदुआई।

मुसलमान के पीर-औलिया मुर्गी मुर्गा खाई।

खाला केरी बेटी ब्याहे घरहिं में करै सगाई।

बाहर से एक मुर्दा लाए धोय-धाय चढ़वाई।

सब सखियाँ मिलि जेंवन बैठीं घर-भर करै बड़ाई।

अथवा

दुर्गम बरफानी घाटी में

शत सहस्र फुट ऊँचाई पर

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

अलख नाभि से उठनेवाले

निज के ही उन्मादक परिमल-

के पीछे धावित हो-होकर

तरल तरुण कस्तूरी मृग को

अपने पर चिढ़ते देखा है।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रश्न 8.(i) कृष्ण ने नंद बाबा की दुहाई देकर दाँव क्यों दिया? 2

(ii) लाला के मन में उठने वाली दुविधा को अपने शब्दों में लिखिए। 2

(iii) रिश्ते हैं, लेकिन खुलते नहीं - कवि के सामने ऐसी कौन-सी विवशता है जिससे आपसी रिश्ते भी नहीं खुलते हैं ? 3

(iv) कस्तूरी मृग के स्वयं पर चिढ़ने का क्या कारण बताया गया है? 3

खंड-घ

'अंतराल भाग-1' के आधार पर निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रश्न 9.(i) दुकान पर बैठे-बैठे भी मकबूल के भीतर का कलाकार उनके किन कार्यकलापों सेअभिव्यक्त होता है ? 2

(ii) कला के प्रति लोगों का नजरिया पहले कैसा था ? उसमें अब क्या बदलाव आया है? 2

(iii) शरत की रचनाओं में उनके जीवन की अनेक घटनाएँ और पात्र सजीव हो उठे हैं। विवेचना कीजिए । 3

खंड-ड़

'अभिव्यक्ति और माध्यम' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

प्रश्न10 (i) एनकोडिंग किसे कहते हैं? 1X5=5

(ii) लोकतंत्र का चौथा स्तंभ किसे कहा जाता है ?

(iii) पटक्या से क्या अभिप्राय है ?

(iv) अनुस्मारक पत्र लिखने का क्या उद्देशय होता है?

(v) डायरी लेखन हिंदी साहित्य की कौन-सी विधा है।?

प्रश्न 11.(i) संचार के प्रमुख तत्व कौन-से हैं? 3

(ii) विश्वज्ञानकोश से क्या अभिप्राय हैं ? 2

प्रश्न12.पटकथा लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है और क्यों? 5

अथवा

एक अच्छे स्ववृत की क्या विशेषताएँ होती है?

खड-च

'नैतिक शिक्षा' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2X4=8

प्रश्न 13.(i) महारानीअहिल्याबाई होलकर द्वारा प्रजा की सुविधा हेतु किए गए दो कार्य बताइए।

(ii) जैन धर्म के पाँच महाव्रत कौन-से से हैं?

(iii) सावरकर की मंदिर निर्माण के पीछे क्या भावना थी?

(iv) सी.वी.रमन की विज्ञान में रुचि होने का क्या प्रभाव हुआ?

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com